Title: Regarding heavy damage of crops and others due to hailstorm in Rajasthan.

MR. SPEAKER: I have also received notices on this important matter from hon. Members Shri Ram Singh Kaswan, Shri Bhanwar Singh Dangawas, Shri Raghuveer Singh Koshal and Dr. Karan Singh Yadav on the same issue in Rajasthan. You may please associate with this problem.

**श्री रघुवीर सिंह कौशल (कोटा)** : राज्स्थान का अलग मामला है। उनकी स्टेट दूसरी है।

**अध्यक्ष महोदय :** ठीक है, अगर आप एक ही बात बोलना चाहते हैं, तो बोलें। मैं सबसे पहले श्री राम सिंह कस्वां को मौका दे रहा हूं। मैं तो आपकी मदद कर रहा था। लेकिन आप एक-एक करके सभी एक ही विषय पर बोलना चाहते हैं और चाहते हैं कि इससे फायदा होगा तो फिर बोलिए। हाउस का समय और निकलेगा।

â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I am going to say that the Government should respond to this.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: If I receive such cooperation, then where should I get time?

**श्री राम सिंह कस्वां (चुरु) :** अध्यक्ष महोदय, राज्स्थान के 18 जिलों में 1536 गांवों में ओलावृटि के कारण करीब चार अरब रुपए की फसल नट हो गई है। राज्स्थान सरकार ने इस सम्बन्ध में काफी मदद की है और पहली बार प्रदेश सरकार का शानदार प्रदर्शन रहा है। लेकिन उसके बावजूद चार अरब रुपए का भुगतान करना उसके लिए सम्भव नहीं है। चुरु जिले में पिछले पांच वर्षों से भयंकर अकाल पड़ रहा है। पहली बार वहां फसल हुई थी, लेकिन वह भी बर्बाद हो गई है। मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से अपील करना चाहता हूं कि वह इसकी गम्भीरता को देखते हुए वहां के किसानों की मदद करे और उन्हें राहत प्रदान करे।

**श्री भँवर सिंह डांगावास (नागौर)** : अध्यक्ष महोदय, सिर्फ ओले ही नहीं पड़े, इस वर्ष फसलों के पहले जिस प्रकार की सर्दी चाहिए थी, वह भी नहीं पड़ी। उसके बाद ऐसी ठंड पड़ी, जिससे खड़ी फसल बर्बाद हो गई। फिर ओलावृटि से ऐसी हवा चली कि नागौर जिले में सारी फसल नट हो गई। इसलिए इस विभीषिका को फेमिन और बाढ़ की तरह मानते हुए केन्द्र सरकार से हम चाहते हैं कि वहां के किसानों को तुरंत मुआवजा दिया जाए।

**श्री रघुवीर सिंह कौशल :** अध्यक्ष महोदय, हमारे हाड़ौती क्षेत्र में और राज्स्थान के बहुत बड़े क्षेत्र में ओलावृटि हुई है। एक तरफ राज्स्थान में अकाल पड़ रहा है और दूसरी तरफ ओलावृटि हो रही है। उससे न केवल फसल को क्षति हुई है, जनहानि भी हुई है और कई लोग मारे गए हैं। मैं पिछले शनिवार और एतवार को अपने क्षेत्र में गया था तो वहां झालावाड़ और चित्तौड़ में अफीम की फसल नट हो गई है। सरसों की फसल में दाने नहीं आ रहे हैं, सारी फसल नट होगई है। धनिए की फसल भी नट हो गई है और गेहूं में हाड़ा पड़ गया है। ऐसी स्थिति में उन खेतों में कोई उपज होने वाली नहीं है। केन्द्र सरकार के नार्म्स हैं कि मुआवजा सिर्फ सीमांत कृाकों को दिया जाएगा और वह भी एक हेक्टेयर पर केवल ढाई हजार रुपए, जो कि इरीगेटेड लैंड होगी। नॉनइरीगेटेड लैंड में एक हैक्टेयर पर एक हजार रुपए निर्धारित हैं, जबकि इतनी तो लागत ही लग गई है।

एक तरफ वित्त मंत्री जी कहते हैं कि किसानों को तीन गुणा ऋण दिया जाएगा। ऋण लेकर किसान की फसल बर्बाद हो गयी है तो क्या किसान को किसी प्रकार की राहत दी जाएगी, जिससे वे जिंदा रह सकें। यही वह परिस्थिति है जिसके कारण किसान आत्महत्या करता है। फसल बीमा शुरू हुआ है, किसानों की फसल का बीमा किया है। हर एक से बैंक ने कम्प्लसरी किश्तें काटी हैं। जिसने दो बैंकों से ऋण लिया है उनको दो बैंकों की किश्तें देनी पड़ रही हैं।

**अध्यक्ष महोदय :** अब समाप्त कीजिए।

**श्री रघुवीर सिंह कौशल** : आज तो आप खुश हैं, सभी को बोलने की इजाजत दे रहे हैं। मैं एक मिनट में अपनी बात समाप्त करता हूं। यह जो फसल बीमा शुरू हुआ है और बीमे की किश्तें काटी जा रही हैं लेकिन बीमा एक को भी मिलने वाला नहीं है क्योंकि उसमें यह है कि तहसील की पूरी फसल नट होने पर ही बीमा मिलेगा। यह किसान के बर्बाद होने की पीड़ा है। जो दस प्रतिशत फसल बच गयी है उसके लिए प्रक्योरमेंट पर देंगे। इतना तो वहां पर बारदाना भी नहीं है। इसलिए मेरा आग्रह है कि

इसके नार्म्स बदले जाएं, जिस्से किसान को मुआवजा दिया जा सके। मेरा आग्रह है कि फसल बीमा योजना में परिवर्तन किया जाए, जिस्से किसान को उचित मुआवजा मिल सके। धन्यवाद।

MR. SPEAKER: Dr. Karan Singh Yadav.

...(*Interruptions*)

**डॉ. करण सिंह यादव (अलवर)** : मेरे संसदीय क्षेत्र अलवर में भी अतिवृटि हुई है।â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Mr. Dhindsa, please. I do not know why you are standing every time.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: No notice has been given by you, and suddenly you are standing up.

...(*Interruptions*)

**अध्यक्ष महोदय :** सुखबीर सिंह बादल जी, आप बैठिये। हम चाहते थे कि पांच सदस्यों को एसोसिएट करने से समय बच जाता, लेकिन आपने नोटिस नहीं दिया है।

SHRI SUKHBIR SINGH BADAL (FARIDKOT): We have given a notice...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: This is very unfortunate. I am trying to give you full opportunity. But let me know what your notice is.

...(*Interruptions*)

SHRI SUKHBIR SINGH BADAL (FARIDKOT): There is no democracy in Punjab...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I would have made a comment on the Government to look into this matter but you did not permit me.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Now, suddenly you are standing up without any notice!

...(*Interruptions*)

SHRI SUKHBIR SINGH BADAL : Sir, ours is a very important issue...(*Interruptions*)

**डॉ. करण सिंह यादव** : सरसों की अच्छी फसल होने के कारण किसान खुश थे लेकिन इस बार ओलावृटि की वजह से सारी फसल बर्बाद हो गयी है और अलवर का किसान मारा-मारा फिर रहा है। मैं यहां माननीय रिलीफ मंत्री जी से निवेदन करना चाहूंगा कि वे इसका सर्वे कराकर मुआवजा दें। वहां पर अकाल राहत के कार्य खोले जाएं। धन्यवाद।

**श्री श्रीचन्द कृपलानी (चित्तौड़गढ़)** : अध्यक्ष जी, हमें भी अपनी बात रखने दीजिए।â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Do not pressurize me. I will not surrender to pressure. Cooperate with me, I would give you full opportunity.

Mr. Dhindsa you are a senior Member. You have also been a Minister.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: It is very unfortunate. I will not allow you Mr. Kriplani. Other hon. Members have also given notices. There are 49 notices of matters of urgent public importance with me. I have got your notice. Your deputy leader is asking me to give opportunity to him. This is not the way to cooperate with the Chair. I am trying to give everybody an opportunity.

You are saying that some workers have come to protest. They are entitled to protest. But is it the way to shout in the midst of the discussion without a notice? I would have respected your sentiments had you followed the simple procedure.

Shri Dhindsa, you may start and you have to complete within two minutes.

SHRI SUKHDEV SINGH DHINDSA : Thank you very much, Sir.

MR. SPEAKER: Please cooperate. I am earnestly appealing to everybody for cooperation. You are all showing temper to me.